नशे की गिरफ्त से मुक्ति चुनौती, पर असंभव नहीं

गोहाना मुद्रिका, 22 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसिपल सुमिता सिंह ने की। मुख्य वक्ता महिला थाना की एस.एच.ओ. सुदेश रहीं। छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डम्बल, फिल द स्पेस, काउंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया। एस.एच.ओ. सुदेश ने बताया कि नशे की गिरफ्त से मुक्ति एक चुनौती तो है, लेकिन यह असंभव नहीं है। नशे से दूरी बनाना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी(

रैगिंग से प्रभावित होते हैं शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य

गोहाना मुद्रिका, 22 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की नव प्रवेशित छात्राओं के लिए चल रहे साप्ताहिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ मंजू पंवार ने की।

डॉ मंजू पंवार ने छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षणिक अपेक्षाओं और उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सामाजिक मुद्दों, सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन में समाज कार्य की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की। डॉ. दीपाली माथुर ने एंटी रैगिंग से छात्राओं को अवगत कराया। उनके अनुसार रैगिंग-मुक्त परिसर के लिए, शिक्षण संस्थानों के लिए सख्त नियम बनाए गए है। उन्होंने कहा कि यह एक अपराध है, जो विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसके खिलाफ जागरूकता फैलाना और शिकायत पेटी स्थापित करना महत्वपूर्ण है। किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि सभी छात्राएं सुरक्षित महसूस कर सकें।

दूसरे सत्र में फॉरेन लैंग्वेज विभाग से डॉ मैथ्यू चंद ने समाज कार्य में जर्मन भाषा और तीसरे सत्र में पॉलिटिकल विभाग से प्रो. रामपाल ने समाज कार्य के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग से डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहन लाल, लूसी आदि मौजूद रहे। ओरिएंटेशन कार्यक्रम 18 अगस्त को प्रारंभ हुआ

पंजाब केसरी
SAT,23 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

नशे की गिरफ्त से मुक्ति चुनौती, पर असंभव नहीं : एस.एच.ओ.

गोहाना, 22 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसीपल सुमिता सिंह ने की। मुख्य वक्ता महिला थाना की एस.एच.ओ. सुदेश रहीं।

छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डम्बल, फिल द स्पेस, काऊंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया। एस.एच.ओ. सुदेश ने बताया कि नशे की गिरफ्त से मुक्ति एक चुनौती तो है, लेकिन यह असंभव नहीं है। नशे से दूरी बनाना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी,

महिला थाने की एस.एच.ओ. सुदेश के साथ छात्राएं। (अरोड़ा)

क्योंकि नशा एक स्वस्थ और सशक्त समाज का दुश्मन है।

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवार को नशा करने वाले व्यक्तियों से दूरी बनाने का संदेश दें। प्रिंसीपल सुमिता सिंह ने कहा कि नशे से मुक्ति का पहला कदम स्वयं से शुरू होता है, इसलिए नशा छोड़ने का दृढ़ संकल्प लें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन किरण और सुनीता शर्मा ने किया।

पंजाब केसरी
SAT,23 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

रैगिंग से प्रभावित होता है शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य : डॉ. माथुर

गोहाना, 22 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की नवप्रवेशित छात्राओं के लिए चल रहे साप्ताहिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने की।

डॉ. मंजू पंवार ने छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षणिक अपेक्षाओं और उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सामाजिक मुद्दों, सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन में समाज कार्य की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की। डॉ. दीपाली माथुर ने एंटी रैगिंग से छात्राओं को अवगत कराया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में तैयार पोस्टर दिखाते हुए छात्राएं। (अरोड़ा)

उनके अनुसार रैगिंग-मुक्त परिसर के लिए, शिक्षण संस्थानों के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक अपराध है, जो विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसके खिलाफ जागरूकता फैलाना और शिकायत पेटी स्थापित करना महत्वपूर्ण है। किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि सभी छात्राएं सुरक्षित महसूस कर सकें।

दूसरे सत्र में फॉरेन लैंग्वेज विभाग से डॉ मैथ्यू चंद ने समाज कार्य में जर्मन भाषा और तीसरे सत्र में पॉलिटिकल विभाग से प्रो. रामपाल ने समाज कार्य के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग से डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहन लाल, लूसी आदि मौजूद रहे। ओरिएंटेशन कार्यक्रम 18 अगस्त को प्रारंभ हुआ था।

सु-डोकू-7983

उद्यमिता दिवस पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा के सभी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से किया संवाद

पल पल न्यूज: खानपुर कलां/गोहाना, 21 अगस्त, (अनिल जिंदल)। आज उद्यमिता दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा सरकार में मुख्यमंत्री माननीय श्री नायब सिंह सैनी ने मौजूद जनसमूह को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री जी ने वर्चुअल माध्यम से हरियाणा के सभी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से भी संवाद किया। मुख्यमंत्री जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह दिन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे युवाओं की उस नवीन सोच, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का उत्सव है, जो हमारे राष्ट्र की प्रगति की सबसे बड़ी ताकत है। साथियो, आज का भारत बदल रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने हमारे देश में उद्यमिता की एक नई लहर पैदा की है। जहाँ पहले युवा नौकरी ढूंढने निकलते थे, आज वही युवा नौकरियाँ देने वाले बन रहे हैं। यह बदलाव केवल सरकार की नीतियों का परिणाम नहीं है, बल्कि आप जैसे छात्रों की कल्पना शक्ति और साहस का प्रमाण है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं से मेरा यह कहना है कि असफलता से डरें नहीं। हर असफलता एक नई सीख लेकर आती है। छोटे-छोटे प्रयासों से शुरुआत करें और बड़े सपने देखने का साहस रखें। तकनीक और नवाचार का उपयोग समाज की समस्याओं को हल करने में करें। ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की छात्राओं ने नायब सिंह सैनी को सुना

गोहाना, 21 अगस्त (रामनिवास धीमान): कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि आज देश बदल रहा है,महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के स्वरोजगार के प्रयास में कौशल युक्त शिक्षा पर जोर दे रहा है। आज विवि नई शिक्षा नीति अपनाकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उद्यमिता दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा सरकार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूद जनसमूह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से हरियाणा के सभी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से भी संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे युवाओं की उस नवीन सोच, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का उत्सव है, जो हमारे राष्ट्र की प्रगति की सबसे बड़ी ताकत है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने हमारे देश में उद्यमिता की एक नई लहर पैदा की है। जहां पहले युवा नौकरी ढूंढने निकलते थे, आज वही युवा नौकरियां देने वाले बन रहे हैं। यह बदलाव केवल सरकार की नीतियों का परिणाम नहीं है, बल्कि आप जैसे छात्रों की कल्पना शक्ति और साहस का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं है, बल्कि यह स्टार्टअप और नवाचार की प्रयोगशाला भी बन सकता है। सरकार की ओर से मैं यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम युवाओं के हर विचार, हर स्टार्टअप और हर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण सहयोग देंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उद्यमिता आयोग के गठन की भी घोषणा की।

समाज को नशे से मुक्त करना नैतिक जिम्मेदारी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खानपुर कलां में पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुमिता सिंह ने की। इस दौरान छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डंबल, फिल द स्पेस और काउंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया।

मुख्य वक्ता महिला थाना प्रभारी सुदेश ने कहा कि नशे की गिरफ्त से बाहर निकलना एक चुनौती जरूर है लेकिन यह असंभव नहीं है। समाज को नशे से मुक्त करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। नशा एक स्वस्थ और सशक्त समाज का दुश्मन है।

समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी। प्राचार्य सुमिता सिंह ने कहा कि नशे से मुक्ति का पहला कदम स्वयं से शुरू होता है। इसलिए नशा छोड़ने का दृढ़ संकल्प लें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। संवाद

छात्राओं कॅरिअर की दी जानकारी

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत बनाए गए पोस्टर दिखातीं छात्राएं। स्रोतः प्रवक्ता

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में नव प्रवेशित छात्राओं के लिए चल रहे साप्ताहिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक परिवेश से परिचित कराना रहा। समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षणिक अपेक्षाओं और उपलब्ध कॅरिअर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सामाजिक मुद्दों, सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन में समाज कार्य की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की गई। डॉ. दीपाली माथुर ने एंटी रैगिंग से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रैगिंग एक अपराध है जो विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। संवाद

छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डम्बल, फिल द स्पेस और काउंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया

नशा मुक्त समाज हम सब की नैतिक जिम्मेवारी : सुदेश

हरिभूमि न्यूज . गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सुमिता सिंह ने की। इस दौरान छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डम्बल, फिल द स्पेस और काउंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया। मुख्य वक्ता महिला थाना खानपुर कलां की एसएचओ सुदेश ने कहा कि नशे की गिरफ्त से बाहर निकलना एक चुनौती जरूर है लेकिन यह असंभव नहीं है। समाज को नशे से मुक्त करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। नशा एक स्वस्थ और सशक्त समाज का दुश्मन है। समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी। प्राचार्या सुमिता सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग की यह पहल अति सराहनीय है। नशे से मुक्ति का पहला कदम स्वयं से शुरू होता है। इसलिए नशा छोडने का दृढ़ संकल्प लें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन किरण और सुनीता शर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

गोहाना। छात्राओं के साथ महिला थाना खानपुर कलां की एसएचओ सुदेश व प्राचार्य सुमिता सिंह। फोटो : हरिभूमि

रैगिंग एक अपराध, विवि में बनाए गए हैं सख्त नियम

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की नव प्रवेशित छात्राओं के लिए चल रहे साप्ताहिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक परिवेश से परिचित कराना था। डॉ. मंजू पंवार ने कार्यक्रम में छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षणिक अपेक्षाओं और उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सामाजिक मुद्दों, सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन में समाज कार्य की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में डॉ. दीपाली माथुर ने एंटी रैगिंग से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। रैगिंग-मुक्त परिसर के लिए शिक्षण संस्थानों को सख्त नियम बनाए गए हैं। दूसरे सत्र मे फॉरेन लैंग्वेज विभाग से डॉ. मैथ्यू चंद ने जर्मन भाषा का महत्व बताया। तीसरे सत्र मे पॉलिटिकल विभाग से प्रो. रामपाल ने समाज कार्य के महत्व समझाया। छात्राओं ने समाज कार्य सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग भी की। इस अवसर पर डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहन लाल, लूसी और विभाग की छात्राएं उपस्थित रहीं।

गोहाना। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत बनाए गए पोस्टर दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

नशे की गिरफ्त से बाहर निकलना संभव : सुदेश

महिला थाना प्रभारी सुदेश व शिक्षकों के सथ में छात्राएं ● सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य सुमिता सिंह ने की। इस दौरान छात्राओं ने आत्मरक्षा में मार्शल आर्ट, डंबल, फिल द स्पेस और काउंट एंड रन के खेलों का प्रदर्शन किया। मुख्य वक्ता महिला थाना खानपुर कलां की प्रभारी सुदेश ने कहा कि नशे की गिरफ्त से बाहर निकलना एक चुनौती जरूर है लेकिन यह असंभव नहीं है। समाज को नशे से मुक्त करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। नशा एक स्वस्थ और सशक्त समाज का दुश्मन है। समाज को एकजुट होकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी होगी। प्राचार्य ने कहा कि नशे से मुक्ति का पहला कदम स्वयं से शुरू होता है। इसलिए नशा छोड़ने का दृढ़ संकल्प लें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें।

छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना से अवगत कराया

कार्यक्रम के दौरान तैयार पोस्टरों को दिखातीं छात्राएं • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में नव प्रवेशित छात्राओं के लिए आयोजित एक सप्ताह के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार ने की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक परिवेश से परिचित कराते हुए उन्हें आगामी अकादमिक यात्रा के लिए तैयार करना रहा। डा. पंवार ने छात्राओं को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षणिक अपेक्षाओं और उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में बताया। छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग व अन्य प्रतियोगिताएं कराई गई। डा. दीपाली माथुर ने एंटी रैगिंग से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। डा. मैथ्यू चंद ने समाज कार्य में जर्मन भाषा का महत्व बताया ।

BLOOD DONATION CAMP ORGANISED

Sonepat: A blood donation camp was organised at Madu Singh Memorial Ayurvedic Institute of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, in collaboration with Bhagat Phool Singh Government Women's Medical College, Khanpur Kalan. The camp was presided over by the Principal of the Ayurvedic Institute, Dr AP Nayak, while the Vice-Chancellor of the University, Prof Sudesh, inaugurated the camp as the chief guest. On the occasion, Shivalik Yadav, Registrar of the University, attended as the guest of honour and encouraged the blood donors. While interacting with employees and students who came forward to donate blood, Sudesh said, "In our scriptures, blood donation has been called a "Mahadaan" (the greatest donation). It is a donation that saves someone's life, and there can be no greater virtuous deed than this. A single unit of blood can give new life to a needy person." She said today's event was not just a service but also a symbol of humanity and compassion. She expressed pride in the enthusiasm and spirit shown by the students of the university. Nayak said 46 donors earned merit through their noble act at the camp.